हम कब से पड़े है शरण तुम्हारी

हम कब से पड़े है शरण तुम्हारी सुनलो साँवरिया ,
हम कोई गैर नही ॥
नौकर तेरे दरबार के हम है सुनलो साँवरिया ,
हम कोई गैर नही ॥

गुजरा हुआ हर पल हमे याद आता है ॥
तेरे सिवा हमको ना कोई भाता है ॥
मेरी लाज तुम्हारे हाथ है, सुनलो साँवरिया ।
हम कोई गैर नही ॥

अपनों से साँवरिया परहेज है कैसा ॥
देखा ना दुनिया में दिलदार तुम जैसा॥
हम तेरे आसरे कब से बैठे, सुनलो साँवरिया ।
हम कोई गैर नही ॥

बस इतनी तमन्ना है दीदार हो तेरा ॥
कहीं बिखर ना जाए श्याम अनमोल प्यार मेरा ॥
अब निर्मोही ना बनो "ओम" की, सुनलो साँवरिया ।
हम कोई गैर नही ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2645/title/hum-kb-se-pare-hai-saran-tumhari-sunlo-sanwariya-hum-koi-gair-nhi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |